अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से ...

प्रिय अंशधारकों,

मुझे आपकी कम्पनी की 28वीं वार्षिक आम सभा बैठक में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा अपनी ओर से आप सभी का स्वागत करते हुये अपार हर्ष हो रहा है। बधाई हो, आपकी कम्पनी ने सफलता, समृद्धि और उपलब्धियों से भरा एक और वर्ष पूरा कर लिया है। आपकी उपस्थिति हमारे आत्म-विश्वास के स्तर को बढ़ाकर, हमें आपकी उम्मीदों को पूरा करने का संकल्प प्रदान करती है। आपकी कम्पनी की 31 मार्च, 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के साथ निदेशकों की रिपोर्ट, आडिट किये गये वार्षिक लेखों और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट आपकी आज्ञा से मुझे आपके सम्मूख रखने का शौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुझे आपको सूचित करते हुये खुशी हो रही है कि 31 मार्च, 2011 की समाप्ति तक आपकी कम्पनी ने समस्त क्षेत्रों एवं कार्यकलापों में निरन्तर प्रगति की है। गत वर्ष कुल आय 3346 लाख रुपये के मुकाबले इस वर्ष 3315 लाख रुपये का अधिकतम लाभ हुआ है जोकि अब तक की उच्चतम आय है तथा गत वर्ष का परामर्श शुल्क 2311 लाख रुपये से बढ़कर 2138 लाख रुपये और गत वर्ष का कर पश्चात लाभ (Profit After Tax – PAT) 1321 लाख रुपये से बढ़कर 1346 लाख रुपये हो गया है, यह संदिग्ध डेबिटों, ऋणों तथा अग्रिमों को कम करके 205.17 लाख रुपये द्वारा उन्हें ह्रार्सित करने तथा लागत को उच्चतम माध्यम से कम करने से हुआ है। कम्पनी की आरक्षित एवं सरप्लस (Reserves & Surplus) पूंजी भी अब तक की सबसे उच्चतम राशि से बढ़कर 7631 लाख रुपये एवं नेटवर्थ (Net Worth) बढ़कर 7872 लाख रुपये हो गया है।

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने गत वर्ष की भांति वर्ष 2010-11 हेतु 172.81 लाख रुपये राशि के 72% लाभांश की संस्तुति की है। जबसे एच एस सी सी का सुत्रपात हुआ है इसकी अच्छी वित्तीय स्थिति के कारण संचयी लाभांश 2290.14 लाख रुपये पर स्थिर है। कम्पनी पिछले छब्बीस वर्षों से लगातार लाभप्रद रहकर लाभांश दे रही है। सितम्बर, 1999 से एच एस सी सी लगातार " मीनि रत्न " होने की उपाधि को बनाये हुये है। तदनुसार, यह संभावना की जा रही है कि वर्ष 2010-11 के लिये भी, समझौता ज्ञापन (MOU) के मूल्याकंन अनुसार एच एस सी सी को स्वर्श्रेष्ठ (Excellent) होने का दर्जा मिलेगा।

वर्ष के दौरान कम्पनी को विभिन्न उत्कृष्ट परियोजनाओं में परामर्श-सेवा करने हेतु डिजाइन एवं इंजीनियरिंग, परियोजना तथा प्रापण प्रबंधन इत्यादि कार्य, पंजाब राज्य में 40 चुनौतीपूर्ण अस्पताल परियोजनाओं का उन्नयन / स्थापित करने का कार्य, एम्स, नई दिल्ली में ओ.पी.डी. ब्लॉक, कार पार्किंग, सुविधा ब्लॉक और उससे संबंधित मास्टर प्लान एवं नवरुपण, कोलकता में चितरंजन राष्ट्रीय केंसर संस्थान हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करना, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली हेतु विस्तृत पुनर्विन्यास योजना, लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलई रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैंटल हैल्थ, तेजपुर तथा पशु-चिकित्सा आर्युवेद अनुसंधान संस्थान, आयुष विभाग, लखनऊ इत्यादि परियोजनाओं का उन्नयन (Up-gradation) कार्य शामिल है।

वर्ष के दौरान, आपकी कम्पनी ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेश में भी व्यापार अवसरों को प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। एच एस सी सी ने डिकोया, श्री लंका में डिस्ट्रीक्ट जनरल अस्पताल हेतु परियोजना प्रबंधन के लिये श्री लंका में अपना साईट ऑफिस स्थापित किया है। इसके अलावा, एच एस सी सी अधिकारियों की एक टीम ने म्यांमार देश का दौरा किया है जिसके अनुसार म्यांमार सरकार से स्वास्थ्य सेवाओं और संबंधित क्षेत्रों में पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन हेतु एक परिदृश्य तैयार करने तथा अपने दो मौजूदा अस्पतालों के उन्नयन हेतु प्रस्ताव आया है। एच एस सी सी ने भूटान चिकित्सा विज्ञान संस्थान (BIMS) हेतु थिम्पू, भूटान में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली है।

जबकि विकास और भविष्य के लिए उच्च निर्धारित लक्ष्यों के लिए स्वस्थ चुनौती प्रदान करता है, लेकिन मैं अपने गणमान्य शेयरधारकों को यहां बताना चाहता हूँ कि उत्तर-पूर्व भारत में हमारी प्रमुख परियोजनाएं दीर्घकालीन सगर्भता-अवधि (Gestation Period) के तहत कार्यान्वित हैं। परामर्श-शुल्क की इस धीमी वसुली को और प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान वर्ष में इस धीमी प्रारंभिक प्रक्रिया के कारण भूमि से संबंधित सांविधिक मंजूरियां के मुद्दे, ग्राहक और बजट आवंटन के मुद्दों में शामिल परियोजनाओं के लिए परियोजना के विकास की गतिविधियों से दूर होने से इनके परिचालन और कम्पनी के मुनाफे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, कार्यात्मक आय को तेजी से बढ़ाने, कारोबारी संबंधित क्षेत्रों एवं कार्यकलापों में विस्तार करने के लिये कम्पनी लगातार प्रयत्नशील बनी हुयी है। कम्पनी मे विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के विस्तार हेतु निरन्तर प्रयास भी किये जा रहे हैं।

आने वाले वर्षों में व्यापार विविधीकरण हेतु हमारी परिचालन आय के किनारे के रूप में, एच एस सी सी अब अपने विभिन्न ग्राहकों को जहां बिल्डिंग इंजीनियरिंग रख-रखाव सेवाएं प्रदान कर रही है जोकि व्यापक परियोजना प्रबंधन सेवाओं से ओत-प्रोत है। आने वाले वर्ष में ग्राहक और बाजार की जरूरत को देखते हुये इसे विविधीकरण प्रयासों से ठीक किया जायेगा।

एक जिम्मेदार कॉरपोरेट इकाई के रूप में, आपकी कम्पनी में अच्छे निगमित प्रशासन, आचरण पर देख-रेख और पारदर्शिता, अखंडता, व्यावसायिकता, जवाबदेही तथा उचित प्रकटीकरण के पहलुओं की ओर ध्यान दिया जा रहा है। लोक उद्यम विभाग (DPE) द्वारा निगमित प्रशासन पर निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में, अपेक्षित रिपोर्ट को तैयार करके मंत्रालय में नियमित रूप से भेजा जा रहा है।

वर्ष के दौरान रिपोर्ट के तहत, निगमित सामाजिक दायित्वों को देखते हुये कम्पनी ने गैर सरकारी संगठन (NGO), इण्डियन केंसर सोसाइटी (ICS) के साथ जरूरतमंद मरीजों को दवाईयाँ प्रदान करने हेतु गठबंधन किया है जिसके लिये कम्पनी ने 4.30 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। वर्ष 2010-11 के निर्धारित समझौता ज्ञापन (MOU) के तहत, कम्पनी को परियोजना उपलब्धियों की समाप्ति तथा उनमें सुधार करने हेतु इसे पूर्णतयाः सक्षम किया गया है। कम्पनी ने एक पायलट परियोजना के रूप में जैव चिकित्सा अपशिष्ट इन्सीनेटर सुविधा के डिजाइन को समय पर पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त अलावा, वर्ष 2010-11 के समझौता ज्ञापन (MOU) के तहत, कम्पनी ने 100 बिस्तरों वाले केंसर अस्पताल का विकास, मेडिकल कॉलेज में 50 सीटों सहित 100 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल को स्थापित करने हेतु साध्यता रिपोर्ट तैयार कर ली है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का बहुमूल्य समर्थन, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं शेयरधारक सदैव हमारे शक्ति-स्रोत रहें है। कम्पनी को प्रदान किये गये बहुमूल्य मार्ग-दर्शन, सहयोग और समर्थन के लिये मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ।

मैं कम्पनी के मूल्यवान ग्राहकों, विदेश मंत्रालय, राज्य सरकारों और अन्य बिजनेस एसोसिएट्स द्वारा उनके निरन्तर समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद देता हूँ। कम्पनी का ध्यान, हमेशा की तरह ग्राहकों की संतुष्टि पर केंद्रित रहेगा।

मैं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG), सांविधिक लेखा परीक्षकों तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों का भी उनके मूल्यवान सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

समस्त क्षेत्रों में कर्मचारियों द्वारा उनके उत्साह, उमंग, निष्ठा एवं समर्पण भावना के लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ जिनके कारण कम्पनी निरन्तर विकास एवं वृद्धि करते हुये उत्कृष्ट बनी हुई है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाली चुनौतियों का सामना एवं ग्राहकों की संतुष्टि को केंद्रित करते हुये कम्पनी निरन्तर विकास करती रहेगी।

धन्यवाद,

(वी. सी. शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
15 सितम्बर, 2011